B.Ed. IInd Year 1

Subject :- Knowledge Language and Curriculum

Topic :- Activity Centred Curriculum
(क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम)

पाठ्यक्रम विकास मे क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम एक आधुनिक उपागम है। यह परम्परागत पाठ्यक्रम के विपरीत है। जिसमे विषय केन्द्रियता और अध्यापक की भूमिका पर अधिक बल दिया जाता है। बाल केन्द्रित शिक्षा और क्रिया केन्द्रित शिक्षा को मिलाकर क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम के प्रत्यय का निर्माण किया गया है।

आधुनिक शिक्षाविद रूसो, ड्यूवी, महात्मा गांधी, और पेस्टालॉजी आदि ने अनुभव किया है कि छात्रो को शैक्षिक क्रियाओ के द्वारा शिक्षा प्रदान की जानी चाहिए। विषय सामग्री को क्रियाओ के आधार पर प्रस्तुत किया जाना चाहिए क्योंकि ज्ञान उद्देश्यपूर्ण क्रियाओ का ही परिणाम है। क्रियाए ज्ञान, शिक्षण, कौशल और अभिवृत्तियो के विकास का माध्यम है। क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम क्रिया को आधार मानता है।

अलबर्टी के अनुसार :- "वे क्रियाएँ जिनके द्वारा विद्यार्थी इन्हे पूरा करना सीखते है, क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम कहलाता है।"

रूसो के अनुसार :- "बालक को पुस्तकीय ज्ञान देने की अपेक्षा उसे कार्यशाला मे मग्न रखा जाए ताकि वह हाथो से कार्य करके अपने मस्तिष्क का भी विकास कर सके।"

कमेनियस के अनुसार :- "जो कुछ भी सीखना है करके सीखा जाना चाहिए।"

P.T.O.

Scanned with CamScanner

महात्मा गाँधी के अनुसार :- "क्रिया प्रधान पाठ्यक्रम की योजना बनाते समय विद्यालय को क्रिया का केन्द्र होना चाहिए।"

"क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम 'करके सीखने के सिद्धान्त' पर आधारित है।"

क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम की विशेषताएँ

⇒ क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम के द्वारा सामाजिक कार्यक्रमों में बालकों की रूचियों का विकास किया जाता है।
⇒ क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम पहले से ही तैयार नहीं किया जाता।
⇒ इसमें छात्रों और शिक्षकों की सहभागिता द्वारा क्रियाओं की योजना बनाई जाती है।
⇒ समस्या समाधान क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम की मुख्य विधि है।
⇒ इसमें आवश्यकता के अनुसार छात्रों को व्यक्तिगत अभ्यास के अवसर उपलब्ध होते है।
⇒ इस पाठ्यक्रम के द्वारा अधिगम एवं अनुभव का एकीकरण सरलता से किया जाता है।
⇒ यह पाठ्यक्रम अनुभवों में पर्याप्त विविधता के कारण शिक्षा के व्यापक क्षेत्र को प्रभावित करता है।
⇒ इस पाठ्यक्रम में जीवन की नवीन स्थितियों में अधिगम के उपयोग की पर्याप्त संभावनाएँ रहती है।
⇒ यह पाठ्यक्रम बालकों की खोज प्रवृत्ति को प्रोत्साहन देता है।
⇒ क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम में छात्र क्रियाओं की सहायता से ज्ञान प्राप्त करके उसे अपने भावी जीवन में प्रयोग करने में सफल होते हैं।

Scanned with CamScanner